कार्य कर रहे तकनीशियनों और अधिकारियों के ग्रेडों और वेतनमानों में असमानता के क्या कारण हैं, ये असमानताएं कब से विद्यमान हैं, क्या इन्हें दूर किये जाने की कोई मांग की गई है और यदि हां तो यह मामला अभी तक अनिर्णीत क्यों है, क्या इस असमानता को दूर करने के लिए कोई कदम उठाये गये हैं, और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं तथा इस असमानता को दूर करने के लिए कब तक कोई कदम उठाये जाने की संभावना है ;

(ख) क्या इन मिलों तथा मुख्यालय में कार्य कर रहे कर्मचारियों के बीच छुट्टी यात्रा रियायत तथा मकान किराया भत्ते के संदर्भ में भी इसी तरह की असमानता है, यदि हां, तो इस असमानता के क्या कारण हैं और इसे कब तक दूर कर दिया जायेगा; और

(ग) क्या सेवा-निवृत्ति की आयु में भी क्रमशः 58 वर्ष और 60 वर्ष की असमानता है और यदि हां, तो इस असमानता को कब तक दूर कर दिये जाने की संभावना है ?

वस्त्र मंत्रालय में उपमंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) और (ख) जी हां। मिलों और प्रधान कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के ग्रेडों, वेतनमानों, एल०टी०सी० और मकान किराया भत्ता नियमों में असमानताएं हैं। इन असमानताओं के होने का मुख्य कारण मिल और प्रधान कार्यालय के कर्मचारियों को नियंत्रित करने वाली कार्य और सेवा शर्तों में अन्तर है। ये असमानताएं इन एककों के एन०टी०सी० के नियंत्रण अधीन आने के पहले से ही विद्यमान हैं। एन०टी०सी० को इन असमानताओं को दूर करने के लिए कुछ अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। तथापि, एन०टी०सी० के लिए मिलों और प्रधान कार्यालय के कर्मचारियों की कार्य और सेवा शर्तों में अन्तर होने के कुछ कारण इन असमानताओं को दूर करना संभव नहीं हो पाया है।

(ग) जी हां। तथापि मामला न्यायाधीन है।

आतंकवादियों द्वारा दिल्ली में हत्यायें

347. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 जनवरी, 1987 और 29 अक्तूबर, 1987 के बीच आतंकवादियों द्वारा दिल्ली में कितने व्यक्तियों की हत्या की गई और यह हत्याएं कितनी घटनाओं में हुई ;

(ख) इस सम्बन्ध में अब तक कुल कितने व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है ; और

(ग) उक्त अवधि के दौरान पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ों में कितने आतंकवादी मारे गये ?

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्) : (क) इस अवधि के दौरान इस प्रकार की तीन घटनाओं में 27 व्यक्ति मारे गए और 26 घायल हुए हैं।

(ख) 4(चार)

(ग) 1(एक)।

Issue of Bonds by IDBI

348. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Industrial Development Bank of India proposes to issue Rs. 272.75 crore worth of bonds; and

(b) if so, what are the main features of this proposal?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARY): (a) and (b) The Industrial Development Bank of India has reported that it had issued its 46th Series of bonds for a notified amount of Rs. 272.75 crores with a right to retain excess subscription up to Rs. 27.25 crores in September,

1987 on the terms and conditions indicated below:

1. Issu; Pries : At par
2. Rate of Interest : 11 % per

payable half yearly.

3. Currency : 15 ysars.
4. Date of Maturity : 23rd September 260

Teargassing of Punjab Migrants

349. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pieased to state:

(a) whether it is a fact that the police resorted to teargassing in order to disperse a group of migrants from Punjab outside the residence of the Home Minister and

(b) what were the main demands of the migrants and the action taken by Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI 'CHINTAMANI PANIGRAHI): (a) and (b) The Police used tear gas on.5-9-87 outside the residence of Union Home Minister to disperse goup of migran's when they got into a riotous mood and broke down the barricades. Tear gas was used only after repeated warnings had no effect.

Their main demands included declaring migrants from Punjab as genuine, regular payment of their monthly allowances in their respective camps, provision of better sanitation , and other civic facilities; etc.

According to Delhi Administration, they declare a migrant family genuine Or non-genuine on the basis of verification report received from Govt, of Punjab. As it is not safe to carry large amount in cash to various camps, the payment is made at Tis Hazari Court. Shahdara Court, Patiala House Court and the Court of SDM (South). Adequate Civic facilities are being provided to the migrants staying in official camps.

Talks With GNLF

350. SHRI P. N. SUKUL: Will the Minister of HOME AFFAIRE be pleas-ed to state:

(a) what has been the reaction of Government on the various points . raised in the letter dated 22nd October, 1987 addressed by Shri subhash Ghising, President Gorkha National Liberation Front to the Union Home Minister; and

(b) what has been the progress in the discussions held subsequently between the GNLF delegation and Government?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PEN SIONS AND THE MINISTER OF TE IN THE MINISTRY OF HOME IS (SHRI P. CHIDAMBA- (a) and (b) In 'he discus- Id on October 22nd, 24th and 28th *nth* the GNLF leadership, the Central Government has reiterated its stand that the mater needs to be resolved in consultation with the State Government of West Bengal. The discussions are to continue.

Marine Products

351. SHRI P. N. SUKUL: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government propose to recognise the production of marine products ES an industry in view of the large quantum of foreign exchange being earned by the country by exporting marine products;

(b) if so, by when a decision is likely to be taken in the mailer: and

(c) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STAT THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. R. DAS MUNSHI); (a) to (c) A proposal has been received in the Ministry of Agriculture for recognition of deepsea fishing as an indus-try. So far, no decision has been taken.